Bhajankilyrics

सारे जगत में सबसे, प्रथमें तुम्हें मनाते हैं भजन हिंदी लिरिक्स

Downloaded on: April 29, 2025

सुनते हो तुम सब की विनती, जो भी तुम्हे ध्याता है, सब से पहले मनाये तुमको, तो सब मंगल हो जाता है बप्पा हो बप्पा – गणपति बिप्पा, बप्पा हो बप्पा – गणपति बिप्पा, तेरी जय जयकार लगाते हैं – जय जय गणराज, सारे जगत में सबसे, प्रथमें तुम्हें मनाते हैं... तेरे मूषक सवारी – गणपति बिप्पा, लगे अति प्यारी – गणपति बिप्पा, तेरी सूरत है न्यारी – गणपति बिप्पा, मैंने दिल में उतारी – गणपति बिप्पा, मन के मंदिर में तुझको बिठाते हैं – जय जय गणराज, सारे जगत में सबसे, प्रथमें तुम्हें मनाते हैं... तू विघ्न को हरता – गणपति बिप्पा, तू मंगल करता – गणपति बिप्पा, तू गजमुख दाता – गणपति बिप्पा, तू है भाग्य विधाता – गणपति बिप्पा, तुझे लड्डवन का भोग लगाते हैं – जय-जय गणराज, सारे जगत में सबसे, प्रथमें तुम्हें मनाते हैं... तुम हो शिव के दुलारे – गणपति बिप्पा, गौरा मय्या के प्यारे – गणपति बिप्पा, गिरिधारी ने जाना – गणपति बिप्पा, जिसने तुमको है माना – गणपति बिप्पा, तो दुख उसके मिट जाते हैं – जय जय गणराज, सारे जगत में सबसे, प्रथमें तुम्हें मनाते हैं भजन का अर्थ यह भजन भगवान गणेश की महिमा का वर्णन करता है। इसमें बताया गया है कि गणेश जी सभी बाधाओं को दूर करते हैं और शुभ कार्यों की शुरुआत में सबसे पहले पूजे जाते हैं। जो भी उनकी भक्ति करता है, उसे सुख और सफलता मिलती है। भजन में उनके मूषक वाहन (चूहा) और उनके खास रूप का सुंदर वर्णन किया गया है। भक्त गणेश जी को अपने मन के मंदिर में बसाते हैं, यानी उन्हें अपने हृदय में स्थान देते हैं। गणेश जी को विघ्नहर्ता (बाधाएं दूर करने वाले), मंगलकर्ता (शुभता लाने वाले), गजमुखधारी (हाथी के मुख वाले), और भाग्यविधाता (भाग्य बनाने वाले) कहा गया है। उनकी पूजा में लड्डू का भोग चढ़ाया जाता है, जो उन्हें बहुत प्रिय है। भजन में यह भी बताया गया है कि वे भगवान शिव और माता पार्वती के प्रिय पुत्र हैं। इसमें भगवान कृष्ण का भी

उल्लेख है, जिससे गणेश जी की व्यापक स्वीकृति और महत्व का पता चलता है। अंत में, यह दोहराया गया है कि पूरी दुनिया में सबसे पहले गणेश जी की पूजा की जाती है, जो उनकी सर्वोच्चता को दर्शाता है।

© 2025 Bhajankilyrics. All rights reserved.